भुगतान संतुलन (Balance of Payment) :-

(BA Part I Hons & Subsidiary.) By Prof Sarita Kumari

व्यापार के क्षेत्र में ~~व्यापार~~ भुगतान संतुलन का बहुत महत्व है। भुगतान संतुलन का अर्थ एक देश के निवासियों द्वारा अन्य देशों के साथ एक निश्चित अवधि एक वर्ष में वस्तुओं और परिसम्पत्तियों के लेन देन का समस्त ब्योरा है।

प्रो० बेन्हम के अनुसार "Balance of payment of a Contry is a record of its monetary transctions over a perid with the rest of the world".

भुगतान संतुलन हर देश के केन्द्रिय बैंक (जैसे भारत में RBI) के द्वारा मेंटेन किया जाता है।

भुगतान संतुलन अनुकूल या प्रतिकूल हो सकता है। यदि किसी देश का आयात उसके निर्यात से ज्यादा होता है तो वह दूसरे देशों को ज्यादा मुद्रा चुकायेगा और उसे दूसरे देशों से कम मुद्रा मिलेगी। लेकिन यह अन्तर दूसरे रास्ते से कम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए विदेशों में किये गये निवेश पर होने वाले आय से इस घाटे की क्षतिपूर्ति की जा सकती है। इसके अलावा दूसरे बैंकों को दिये गये लोन से भी आय हो सकती है। भुगतान संतुलन हमेशा ही संतुलित रहता है। इस कारण यह है कि इसमें कई क्षेत्र सम्मलित रहते हैं। यदि एक क्षेत्र में घाटा होता है तो दूसरे क्षेत्र के मुनाफे से उसकी भरपाई की जाती है। केन्द्रिय बैंक मुद्रा का इसपर नजर रहता है। अगर मुद्रा की स्थिति में कोई परिवर्तन होता है तो बैंक fix exchange rate के आधार पर खरीद बिक्री के द्वारा संतुलन करने की कोशिश करता है। भुगतान संतुलन के अध्ययन से ही देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

दूसरे शब्दों में "The Balance of Payment is an economic barometer which when properly handled by

economic analyst can be used to appraise a nation's short term international economic prospects, to evaluate the degree of its international solvency and to determine the appropriateness of the foreign exchange rate of its monetary unit.

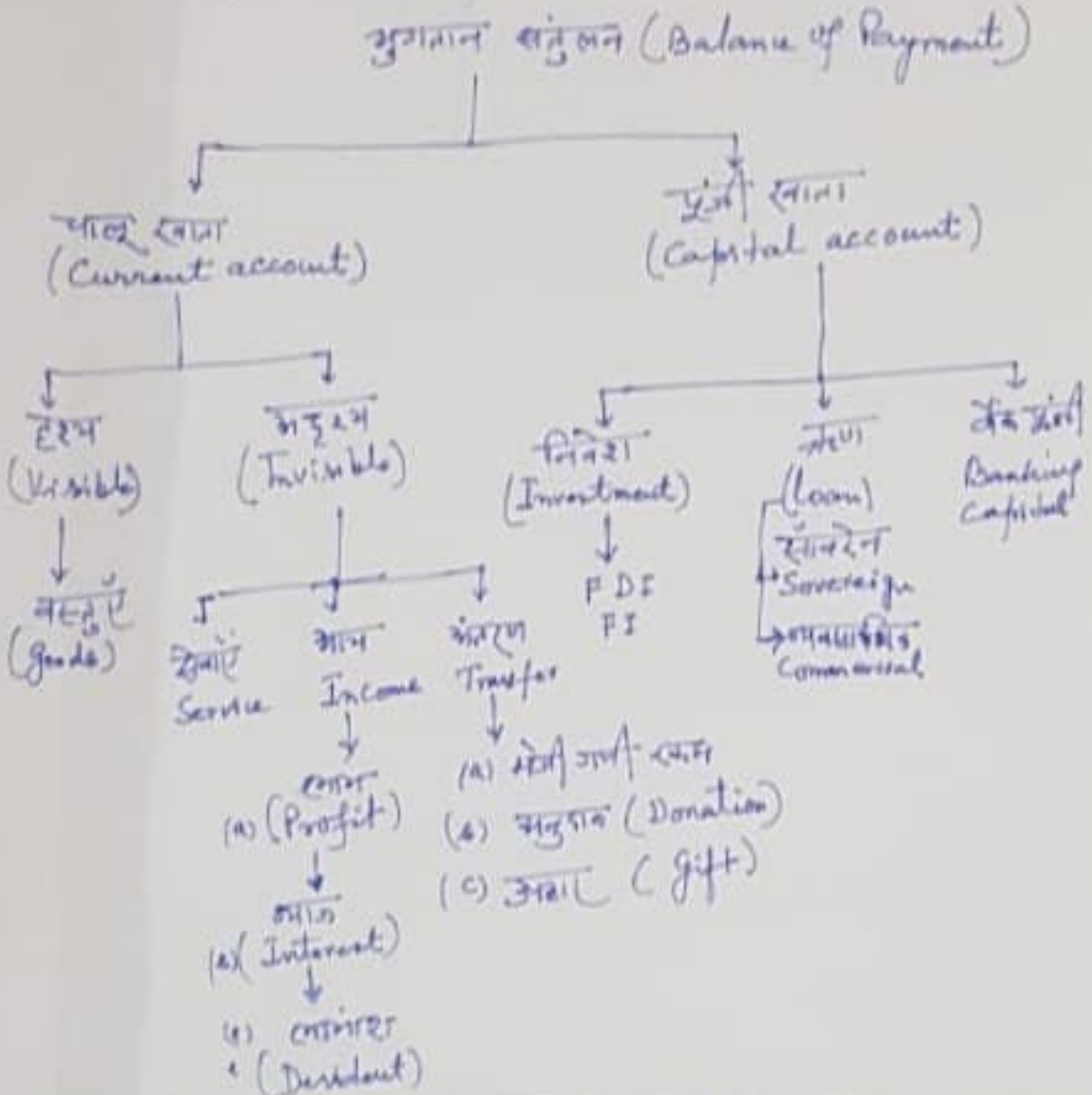

व्यापार संतुलन B.O.T	भुगतान संतुलन B.O.P
• यह भुगतान संतुलन का एक अंश है।	• व्यापक अवधारणा है।
• केवल वस्तुओं के लेनदेन को शामिल करते हैं।	• इसमें समस्त प्रकार के आर्थिक लेनदेन शामिल।
• इनका लेखा-जोखा बंदरगाहों पर होता है।	• बंदरगाहों का कोई लेखा-जोखा नहीं।
• ~~अनुकूल : निर्यात > आयात~~	• लेखे की दृष्टि से सदैव संतुलित
• ~~प्रतिकूल : निर्यात < आयात~~	~~चालू खाता एवं पूंजी खाता~~
• यह अनुकूल अथवा प्रतिकूल हो सकता है।	